हरियाणा में मिलीं 400 वर्ष पुरानी मूर्तियाँ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **मानेसर के पास बाघनकी गाँव** में एक प्लॉट की नींव खुदाई के दौरान लगभग **400 वर्ष पुरानी तीन धातु की मूर्तियाँ** निकलीं।

मुख्य बिंदु:

- पुलिस ने प्राचीन मूर्तियों को ज़ब्त कर लिया है और मालिक को निर्माण गतिविधियाँ रोकने का निर्देश दिया है।
- **पुरातत्त्व विभाग** साइट पर किसी अतिरिक्त मूर्ति की खोज के लिये अतिरिक्त खुदाई करेगा।
- बरामद मूर्तियों में **भगवान विष्णु** की एक खड़ी मूर्ति, **देवी लक्ष्मी की एक मूर्ति और देवी लक्ष्मी एवं भगवान विष्णु की एक संयुक्त मूर्ति** शामिल है।

हरियाणा के महत्त्वपूर्ण पुरातत्त्व स्थल

- **भिर्राना: फतेहाबाद ज़िले** का एक छोटा-सा गाँव नई दिल्ली से लगभग 220 किमी. उत्तर पश्चिम में स्थित है। यह स्थल **प्राचीन सरस्वती नदी प्रणालियों** के किनारे स्थित है जो अब आधुनिक हरियाणा में मौसमी घग्गर प्रवाह द्वारा दर्शाया जाता है। 8वीं-7वीं सहस्राब्दी ईसा पूर्व के **हकरा बर्तन** भिर्राना में पाए गए हैं जो इसे प्रारंभिक **हड़प्पा रावी चरण की संस्कृति** के समकालीन बनाते हैं। भिर्राना की अनुमानित प्राचीनता **चारकोल के नमूनों** पर आधारित है जो 7570-7180 ईसा पूर्व और 6689-6201 ईसा पूर्व की तारीखें बताती हैं।
- **बनावली:** यह **हरियाणा के फतेहाबाद ज़िले** में सिंधु घाटी सभ्यता का एक पुरातात्त्विक स्थल है। यह **कालीबंगन** से 120 किमी. उत्तर पूर्व और फतेहाबाद से 16 किमी. दूर सूखी हुई **सरस्वती नदी के बाएँ किनारे पर स्थित है।** खुदाई में 4.5 मीटर ऊँची और 6 मीटर मोटी एक सुरक्षा दीवार के साथ-साथ कमरे, शौचालय तथा सड़कों वाले सुनियोजित घर भी मिले। किलेबंदी के पास की सीढ़ियों को **भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण** द्वारा एक महत्त्वपूर्ण गठन माना जाता है।
- **राखीगढ़ी:** यह भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा हड़प्पा स्थल है जो **हरियाणा के हिसार ज़िले** में स्थित है। यह स्थल **मौसमी घग्गर नदी** से लगभग 27 किमी. दूर **सरस्वती नदी** के मैदानी इलाके में स्थित है। 6000 ईसा पूर्व (पूर्व-हड़प्पा चरण) से 2500 ईसा पूर्व तक इसके विकास का अध्ययन करने के लिये, **भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) के पुरातत्त्वविद अमरेंद्र नाथ** के नेतृत्व में राखीगढ़ी में खुदाई की गई थी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/400-year-old-idols-found-in-haryana